गुजरात में विद्युत क्षेत्र में निवेश करने के लिये प्रस्ताव

4446. श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी: क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात की पूर्ववर्ती कांग्रेस (आई) सरकार द्वारा केन्द्रीय सरकार को राज्य में विद्युत क्षेत्र में पूंजी निवेश करने के संबंध में अब तक कितने प्रस्ताव प्रेषित किए गए हैं,

(ख) इसके परिणामस्वरूप विद्युत उत्पादन क्षमता में कितने मेगावाट की वृद्धि होने की संभावना है,

(ग) देश में विद्युत उत्पादन का वर्तमान अधिष्ठापित क्षमता कितनी है; और

(घ) 1994-95 और 1995-96 के वर्षों के लिए सरकार ने गुजरात में विद्युत उत्पादन के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए हैं ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिलाबेन चिमनभाई पटेल) : (क) और (ख) तकनीकी आर्थिक अनुमोदन प्रदान करने की दृष्टि से गुजरात सरकार से केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, जनवरी, 1990 से फरवरी, 1995 तक 2596 मे. वा. की कुल क्षमता के 15 प्रस्ताव प्राप्त किए गए थे।

(ग) 31-03-95 की स्थिति के अनुसार विद्युत उत्पादन की अधिष्ठापित क्षमता 81164 मे. वा. (यूटिलिटियों के लिए) हैं।

(घ) गुजरात राज्य में वर्ष 1994-95 और 1995-96 के लिए विद्युत उत्पादन के निर्धारित लक्ष्य निम्नलिखित हैं :—

श्रेणी	1994-95 में विद्युत उत्पादन (मि. यू.)	1995-96 के लिए लक्ष्य (मि. यू.)
ताप विद्युत	27810	27875
न्यूक्लीय	1540	1930
जल विद्युत	1120	1225
जोड़	30470	31030

Power Generation

4447. SHRI V. NARAYANASAMY: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) the estimated generation of power hydel, thermal and nuclear—achieved during the period from April to December, 1994; State-wise and sector-wise;

(b) the steps taken to make up the deficiency; if any; keeping in mind the increased demand for energy; and

(c) what is the investment coming forth from the private sector in this country during the last six months alongwith the names of the private sector who have come forward with the investment?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL): (a) State-wise and Category-wise energy generation during April to December, 1994 is given in statement I (See below)

(b) In order to bridge the gap between demand and availablility of power various measures being taken to improve the availability of power in the country, include expediting the commissioning of new generating capacity, implementation of short gestation projects, improving the performance of existing power stations, reduction of Transmission and Disirbution losses, implementation of better demand management and energy conservation measures, arranging transfer of energy from surplus to deficit areas and promotion of private sector investment in power sector.

(c) As on date, proposals have been received for setting up 190 projects in the private sector for capacity addition of 75259.50 MW at an approximate cost of Rs. 276163.970 crores The details are given in Annexure. (See Appendix 173, Annexure, 90)